



INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RSSB – LDC

लिपिक ग्रेड - II एवं कनिष्ठ



भाग - 1

हिंदी एवं अंग्रेजी

प्रस्तावना

प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स “**RSSB LDC (लिपिक ग्रेड-॥ एवं कनिष्ठ सहायक)**” को एक विभिन्न अपने - अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है। ये नोट्स पाठकों को **राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB)** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा “**LDC (लिपिक ग्रेड-॥ एवं कनिष्ठ सहायक)**” में पूर्ण संभव मदद करेंगे।
अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है। अतः आप सूची पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : <https://www.infusionnotes.com>

WhatsApp - <https://wa.link/lrn74q>

Online Order - <http://surl.li/rbhbb>

मूल्य : (₹)

संस्करण : नवीनतम

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
	हिन्दी	
1.	संधि एवं संधि विच्छेद	1
2.	सामासिक पदों की रचना और समास - विग्रह	14
3.	उपसर्ग	27
4.	प्रत्यय	32
5.	पर्यायवाची शब्द	40
6.	विपरीतार्थक (विलोम) शब्द	50
7.	अनेकार्थक शब्द	62
8.	शब्द - युग्म	64
9.	संज्ञा शब्दों से विशेषण बनाना	73
10.	शब्द शुद्धि	77
11.	वाक्य-शुद्धि	16
12.	वाच्य	89
13.	क्रिया	91
14.	वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द	93
15.	मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ	105
16.	अंग्रेजी के पारिभाषिक : प्रशासनिक शब्दावली	110
17.	अनुवाद (रूपांतरण)	124
18.	कार्यालयी पत्र	130

	English	
1.	Time And Tense	132
2.	Active and passive Voice	145
3.	Direct & Indirect Narration	152
4.	Transformation	157

5.	<i>Use of Article</i>	165
6.	<i>Preposition</i>	179
7.	<i>Translation</i>	199
8.	<i>Correction of sentences</i> ❖ <i>Verb</i> ❖ <i>Adverb</i> ❖ <i>Noun</i> ❖ <i>Pronoun</i> ❖ <i>Subject and Verb Agreement</i> ❖ <i>Adjective</i> ❖ <i>Conjunction</i> ❖ <i>The Interjections</i>	200
9.	<i>Synonyms and Antonyms</i>	248
10	<i>One Word Substitution</i>	263
11.	<i>Prefixes and Suffixes</i>	270
12.	<i>Words often Confused or Misused</i>	273
13.	<i>Reading Comprehension</i>	276
14.	<i>Letter writing</i>	288

अध्याय - 1

संधि एवं संधि-विच्छेद

संधि : परिभाषा

दो वर्णों के परस्पर मेल से उच्चारण और लेखन में जो परिवर्तन होता है, उसे **संधि** कहते हैं। अर्थात् प्रथम शब्द के **अंतिम वर्ण** और दूसरे शब्द के **प्रथम वर्ण** के मिलने से उच्चारण तथा लेखन में जो परिवर्तन होता है, वही **संधि** कहलाता है।

संधि के प्रकार (परिवर्तन के आधार पर):

- आदेश** : किसी वर्ण के स्थान पर कोई दूसरा वर्ण आ जाए, तो उसे आदेश कहते हैं—
 - जगत् + ईश = **जगदीश**
 - वाक् + ईश = **वागीश**
- आगम** : दो वर्णों के मेल पर बीच में किसी वर्ण का आगमन (आ जाना) हो जाए, तो उसे आगम कहते हैं—
 - अनु + छेद = **अनुच्छेद** (यहाँ 'च्' का आगम हुआ)
- लोप** : संधि में किसी वर्ण का लोप (हट जाना) हो जाए, तो उसे लोप कहते हैं—
 - अतः + एव = **अतएव**
- प्रकृतिभाव** : दो शब्द मिलते हैं, पर मूल रूप (प्रकृति) में कोई परिवर्तन नहीं होता, तो उसे प्रकृतिभाव कहते हैं—
 - मनः + कामना = **मनःकामना**

संयोग : परिभाषा

यदि प्रथम शब्द का अंतिम वर्ण और दूसरे शब्द का प्रथम वर्ण मिलकर उच्चारण और लेखन में **कोई परिवर्तन न करें**, तो उसे **संयोग** कहते हैं।

उदाहरण :

- युग + बोध = **युगबोध**
- संधि के भेद**
संधि के तीन भेद होते हैं—

- स्वर संधि**
- व्यंजन संधि**
- विसर्ग संधि**

(1) स्वर संधि

दो स्वरों के परस्पर मेल को **स्वर संधि** कहते हैं।
स्वर संधि के पाँच प्रकार होते हैं—

- दीर्घ स्वर संधि
- गुण स्वर संधि
- वृद्धि स्वर संधि
- यण् स्वर संधि

5. अयादि स्वर संधि

हिंदी में स्वर (II) : अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, ऋ

(1.1) दीर्घ स्वर संधि

यदि ह्रस्व या दीर्घ स्वर (अ, आ / इ, ई / उ, ऊ) के बाद **उसी वर्ग का समान ह्रस्व/दीर्घ स्वर** आए, तो दोनों मिलकर **दीर्घ** हो जाते हैं।

सूत्र :

- अ/आ + अ/आ = **आ**
- इ/ई + इ/ई = **ई**
- उ/ऊ + उ/ऊ = **ऊ**

(1) अ

- अंत्य + अक्षरी = अंत्याक्षरी
- अंध + अनुगामी = अंधानुगामी
- अधिक + अंश = अधिकांश
- अधिक + अधिक = अधिकाधिक
- अस्त + अचल = अस्ताचल
- आग्नेय + अस्त्र = आग्नेयास्त्र
- उत्तर + अधिकार = उत्तराधिकार
- उदय + अचल = उदयाचल
- उप + अध्याय = उपाध्याय
- ऊर्ध्व + अधर = ऊर्ध्वाधर
- ऊह + अपोह = ऊहापोह
- काम + अयनी = कामायनी
- गत + अनुगतिक = गतानुगतिक
- गीत + अंजलि = गीतांजलि
- छिद्र + अन्वेषी = छिद्रान्वेषी
- जठर + अग्नि = जठराग्नि
- जन + अर्दन = जनार्दन
- तथ्य + अन्वेषण = तथ्यान्वेषण
- तीर्थ + अटन = तीर्थाटन
- दाव + अनल = दावानल
- दीप + अवली = दीपावली
- दाव + अग्नि = दावाग्नि
- देश + अंतर = देशांतर
- न्यून + अधिक = न्यूनाधिक
- पद + अवनत = पदावनत

पर + अधीन = पराधीन
 प्र + अंगन = प्रांगण
 प्र + अर्थी = प्रार्थी
 भृगु + अवशेष = भृगावशेष

अ + आ = आ

आम + आशय = आमाशय
 गर्भ + आधान = गर्भाधान
 अन्य + आश्रित = अन्याश्रित
 गर्भ + आशय = गर्भाशय
 आर्य + आवर्त = आर्यावर्त
 फल + आहार = फलाहार
 कंटक + आकीर्ण = कंटकाकीर्ण
 छात्र + आवास = छात्रावास
 कुश + आसन = कुशासन
 जन + आकीर्ण = जनाकीर्ण
 खग + आश्रय = खगाश्रय
 जन + आदेश = जनादेश
 गमन + आगमन = गमनागमन
 भय + आक्रान्त = भयाक्रान्त
 भय + आनक = भयानक
 पित्त + आशय = पित्ताशय
 धर्म + आत्मा = धर्मात्मा
 भ्रष्ट + आचार = भ्रष्टाचार
 मेघ + आलय = मेघालय
 लोक + आयुक्त = लोकायुक्त
 विरह + आतुर = विरहातुर
 विवाद + आस्पद = विवादास्पद
 शत + आयु = शतायु
 शाक + आहारी = शाकाहारी
 शोक + आतुर = शोकातुर
 सत्य + आग्रह = सत्याग्रह
 सिंह + आसन = सिंहासन
 स्थान + आपन्न = स्थानापन्न
 हिम + आलय = हिमालय
 जल + आशय = जलाशय
 पंच + आयत = पंचायत

आ + अ = आ

क्रिया + अन्वयन = क्रियान्वयन
 मुक्ता + अवली = मुक्तावली
 तथा + अपि = तथापि
 रचना + अवली = रचनावली
 दीक्षा + अंत = दीक्षांत
 विद्या + अर्जन = विद्यार्जन
 द्राक्षा + अरिष्ट = द्राक्षारिष्ट
 श्रद्धा + अंजलि = श्रद्धांजलि
 द्राक्षा + अवलेह = द्राक्षावलेह
 सुधा + अंशु = सुधांशु
 निशा + अंत = निशांत
 द्वारका + अधीश = द्वारकाधीश
 पुरा + अवशेष = पुरावशेष
 महा + अमात्य = महामात्य

आ + आ = आ

कारा + आगार = कारागार
 कारा + आवास = कारावास
 कृपा + आकांशी = कृपाकांशी
 क्रिया + आत्मक = क्रियात्मक
 चिंता + आतुर = चिंतातुर
 दया + आनंद = दयानंद
 द्राक्षा + आसव = द्राक्षासव
 निशा + आनन = निशानन
 प्रेक्षा + आगार = प्रेक्षागार
 प्रेरणा + आस्पद = प्रेरणास्पद
 भाषा + आबद्ध = भाषाबद्ध
 महा + आशय = महाशय
 रचना + आत्मक = रचनात्मक
 वार्ता + आलाप = वार्तालाप
 श्रद्धा + आलु = श्रद्धालु
 इ ई + इ / ई = ई
 इ + इ = ई
 अति + इत = अतीत
 अति + इन्द्रिय = अतीन्द्रिय
 अति + इव = अतीव
 अधि + इन = अधीन

अभि + इष्ट = अभीष्ट
कवि + इन्द्र = कविन्द्र
प्रति + इत = प्रतीत
प्राप्ति + इच्छा = प्राप्तीच्छा
मणि + इन्द्र = मणीन्द्र
मुनि + इन्द्र = मुनीन्द्र
रवि + इन्द्र = रवीन्द्र
हरि + इच्छा = हरीच्छा

ई + इ = ई

फणी + इन्द्र = फणीन्द्र
महती + इच्छा = महतीच्छा
मही + इन्द्र = महीन्द्र
यती + इन्द्र = यतीन्द्र
शची + इन्द्र = शचीन्द्र

ई + ई = ई

नदी + ईश्वर = नदीश्वर
नारी + ईश्वर = नारीश्वर
फणी + ईश्वर = फणीश्वर
मही + ईश = महीश
रजनी + ईश = रजनीश
श्री + ईश = श्रीश
सती + ईश = सतीश

इ + ई = ई

अधि + ईक्षक = अधीक्षक
अधि + ईक्षण = अधीक्षण
अधि + ईश्वर = अधीश्वर
अभि + ईप्सा = अभीप्सा
कपि + ईश = कपीश
क्षिति + ईश = क्षितीश
गिरी + ईश = गिरीश
परि + ईक्षित = परीक्षित
परि + ईक्षा = परीक्षा
प्रति + ईक्षा = प्रतीक्षा
प्रति + ईक्षित = प्रतीक्षित
मुनि + ईश्वर = मुनीश्वर
वारि + ईश = वारीश

वि + ईक्षक = वीक्षक

हरि + ईश = हरीश

दीर्घ संधि के अपवाद

शक + अन्धु = शकंधु

कर्क + आन्धु = कर्कन्धु

पितृ + ऋण = पितृण

मातृ + ऋण = मातृण

(1.2) गुण स्वर संधि

सूत्र

अ / आ + इ / ई = ए

अ / आ + उ / ऊ = ओ

अ / आ + ऋ = अर्

नियम

- यदि अ / आ के बाद इ / ई आए, तो दोनों के स्थान पर 'ए' हो जाता है।
जैसे— अ / आ + इ / ई = ए
- यदि अ / आ के बाद उ / ऊ आए, तो दोनों के स्थान पर 'ओ' हो जाता है।
जैसे— अ / आ + उ / ऊ = ओ
- यदि अ / आ के बाद 'ऋ' आए, तो दोनों के स्थान पर 'अर्' हो जाता है।
जैसे— अ / आ + ऋ = अर्

(क) अ + इ = ए

अंत्य + इष्टि = अंत्येष्टि

अल्प + इच्छा = अल्पेच्छा

इतर + इतर = इतरेतर

उप + दिष्टा = उपदेष्टा

कर्म + इन्द्रिय = कर्मोन्द्रिय

गज + इन्द्र = गजेन्द्र

जित + इन्द्रिय = जितेन्द्रिय

देव + इन्द्र = देवेन्द्र

न + इति = नेति

प्र + इषिति = प्रेषिति

भारत + इन्द्रु = भारतेन्द्रु

भोजन + इच्छुक = भोजनेच्छुक

मम + इतर = ममेतर

मत्स्य + इन्द्र = मत्स्येन्द्र

मानव + इतर = मानवेतर

मृग + इन्द्र = मृगेन्द्र

योग + इन्द्र = योगेन्द्र
वाच् + इतर = वाचेतर
शब्द + इतर = शब्देतर
शुभ + इच्छा = शुभेच्छु
साहित्य + इतर = साहित्येतर
स्व + इच्छा = स्वेच्छा
हित + इच्छा = हितेच्छा

(ख) अ + ई = ए

अंक + ईक्षण = अंकेक्षण
अप + ईक्षा = अपेक्षा
उप + ईक्षा = उपेक्षा
नर + ईश = नरेश
परम + ईश्वर = परमेश्वर
प्र + ईक्षक = प्रेक्षक
योग + ईश्वर = योगेश्वर
सर्व + ईश्वर = सर्वेश्वर
सिद्ध + ईश्वरी = सिद्धेश्वरी

(ग) आ + इ = ए

महा + इन्द्र = महेंद्र
यथा + इच्छा = यथेच्छा
यथा + इष्ट = यथेष्ट
रसना + इन्द्रिय = रसनेन्द्रिय
सुधा + इन्दु = सुधेन्दु

(घ) आ + ई = ए

गुडाका + ईश = गुडाकेश
महा + ईश्वर = महेश्वर
रमा + ईश = रमेश
राका + ईश = राकेश

(ङ) अ / आ + उ / ऊ = ओ

अ + उ = ओ

अंत्य + उदय = अंत्योदय
अतिशय + उक्ति = अतिशयोक्ति
अन्य + उक्ति = अन्योक्ति
अन्य + उदर = अन्योदर
अन्यान्य + उपाय = अन्यान्योपाय
अवसर + उचित = अवसरोचित
आत्म + उत्सर्ग = आत्मोत्सर्ग
आद्य + उपांत = आद्योपांत
आनंद + उत्कर्ष = आनन्दोत्कर्ष

उत्तर + उत्तर = उत्तरोत्तर

कथ + उपकथन = कथोपकथन

ग्राम + उत्थान = ग्रामोत्थान

चरम + उत्कर्ष = चरमोत्कर्ष

ज्ञान + उदय = ज्ञानोदय

दीप + उत्सव = दीपोत्सव

धीर + उदात्त = धीरोदात्त

नव + उदय = नवोदय

पद + उन्नति = पदोन्नति

पुरुष + उत्तम = पुरुषोत्तम

प्रश्न + उत्तर = प्रश्नोत्तर

प्र + उत्साहन = प्रोत्साहन

लम्ब + उदर = लम्बोदर

सर्व + उत्तम = सर्वोत्तम

स + उल्लास = सोल्लास

स + उदाहरण = सोदाहरण

सर्व + उपरि = सर्वोपरि

सूर्य + उदय = सूर्योदय

स्वतन्त्र + उत्तर = स्वतन्त्रोत्तर

हत + उत्साह = हतोत्साह

हर्ष + उल्लास = हर्षोल्लास

आ + उ = ओ

करुणा + उत्पादक = करुणोत्पादक

क्षुधा + उत्तेजन = क्षुधोत्तेजन

महा + उत्सव = महोत्सव

महा + उदय = महोदय

यथा + उचित = यथोचित

अ + ऊ = ओ

अक्ष + ऊहिनी = अक्षोहिणी

नव + ऊढा = नवोढा

जल + ऊर्मि = जलोर्मि

गंगा + ऊर्मि = गंगोर्मि

महा + ऊर्जा = महोर्जा

(च) अ आ + ऋ = अर्

अ + ऋ = अर्

कण्व + ऋषि = कण्वर्षि

ग्रीष्म + ऋतु = ग्रीष्मर्तु

देव + ऋषि = देवर्षि

ब्रह्म + ऋषि = ब्रह्मर्षि

राजन् + ऋषि = राजर्षि

शीत + ऋतु = शीतर्तु

अध्याय - 5

पर्यायवाची शब्द

पर्यायवाची शब्दों को **प्रतिशब्द** भी कहा जाता है। जिन शब्दों के अर्थ में समानता होती है, उन्हें **पर्यायवाची शब्द** या **प्रतिशब्द** कहते हैं। हिन्दी में **तत्सम** पर्यायवाची शब्द अधिक पाए जाते हैं, जो संस्कृत से हिन्दी में आए हैं। हिन्दी में **तद्भव** पर्यायवाची शब्द अपेक्षाकृत कम मिलते हैं। नीचे कुछ प्रमुख पर्यायवाची शब्दों के उदाहरण दिए जा रहे हैं—

(अ)

शब्द	पर्याय
अमृत	पीयूष, सुधा, अमी, अमिय, सोम, सुरभोग
अंग	अवयव, भाग, हिस्सा, अंश, खंड
अग्नि	आग, अनल, पावक, वह्नि, हुताशन, कृशानु, वैश्वानर
अनी	सेना, फौज, चमू, कटक, दल
असुर	दनुज, दानव, दैत्य, राक्षस, निशाचर, रजनीचर
अरण्य	जंगल, वन, कानन, विपिन, अटवी, कान्ता
अश्व	घोड़ा, बाजी/वाजी, हय, घोटक, तुरंग/तुरंग
अंकुर	अँखुआ, कोंपल/कोपल, कलिका, नवपल्लव, पत्ता-फूट
अंचल	पल्ला, पल्लू, आँचल
अंत (समाप्ति)	समाप्ति, अवसान, इति, उपसंहार
अंत (परिणाम)	फल, अंजाम, परिणाम, नतीजा
अचल	पर्वत, पहाड़, गिरि, शैल, स्थावर
अचला	पृथ्वी, धरती, धरा, भू, इला, अवनी
अतिथि	अभ्यागत, आगंतुक, आगत, गृहागत, पाहुना, मेहमान
अधर	ओठ, ओष्ठ, लब, रदपुट/रद-पट
अनंग	कामदेव, मदन, मनोज, मयन, मन्मथ
अनल	अग्नि
अनाज	अन्न, धान्य, शरय
अनिल	हवा, वायु, पवन, समीर, वात, मरुत
अनुकम्पा	कृपा, मेहरबानी, दया
अन्वेषण	अनुसंधान, खोज, गवेषण, जाँच, शोध

मूल शब्द	रूप
थाना	थानेदार
दुकान	दुकानदार
नाक	
मूल शब्द	रूप
खतरा	खतरनाक
खौफ़	खौफ़नाक
दर्द	दर्दनाक
शर्म	शर्मनाक
बाज़	
मूल शब्द	रूप
चाल	चालबाज़
दगा	दगाबाज़
धोखा	धोखेबाज़
नशा	नशेबाज़
नक्शा	नक्शेबाज़

शब्द	पर्याय
अपना	निज, निजी, व्यक्तिगत
अपर्णा	पार्वती, शिवा, उमा, भवानी, भैरवी
अपमान	तिरस्कार, अनादर, निरादर, अवमान, बेइज्जती
अप्सरा	देवांगना, सुरबाला, सुरनारी, सुरकन्या, देवबाला, देवकन्या
अबला	नारी, गृहिणी, महिला, औरत, स्त्री
अभय	निर्भय, निर्भीक, निडर, साहसी
अभिप्राय	तात्पर्य, आशय, मंतव्य, उद्देश्य, मंशा, मतलब
अँगुली	आँगुलिका, अँगुली, उँगली, दधिती, शकवी
अँगूठी	अंगुलीय, छल्ला, मुँदरी, मुद्रिका, छाप
अंतरिक्ष	आकाश, उच्चाकाश, खमध्य, महाकाश, महाव्योम
अंधकार	तम, तिमिर, अँधियारा, अँधेरा, तमिस्र
अंधा	चक्षुहीन, दृष्टिहीन, नेत्रहीन
अकस्मात्	अचानक, एकाएक, सहसा
अक्षय	अनंत, अमर, शाश्वत, अपरिवर्तनीय, सनातन
अतुल	अनुपम, अद्वितीय, बेजोड़, बेमिसाल, बेजजीर
अत्याचार	अपकार, उत्पात, जुल्म, नृशंसता, अन्याय
अधिकार	अर्हता, आधिपत्य, कब्जा, दावा, स्वामित्व, हक
अधीन	आश्रित, निर्भर, परवश, मातहत, वशीभूत
अनाथ	दीन, नाथहीन, निराश्रित, बेसहारा, यतीम
अनिवार्य	अपरिहार्य, बाध्यकारी, आवश्यक
अनुकरण	अनुगमन, अनुवर्तन, अनुसरण, नकल
अनुग्रह	इनायत, कृपा, दया, स्नेह
अभिजात	कुलीन, योग्य, विशिष्ट, संभ्रांत
अर्जुन	गांडीवधारी, गुडाकेश, धनंजय, पार्थ, सव्यसाची
अवनति	उतार, गिरावट, अपकर्ष, घटाव, हास
अस्त	अदृश्य, ओझल, गायब, तिरोहित, लुप्त
अहंकार	अभिमान, गुमान, गरूर, घमंड, दंभ, दर्प

(आ)

शब्द	पर्याय
आँख	नयन, नेत्र, लोचन, चक्षु, दृग
आम	आम्र, रसाल, सहकार, अमृतफल
आग	अग्नि
आकाश	व्योम, गगन, अम्बर, नभ, आसमान, अनन्त
आनन्द	मोद, प्रमोद, आमोद, हर्ष, आह्लाद, उल्लास
आकांक्षा	अभिलाषा
आँधी	तूफान, अंधड़, बवंडर
आर्त	दुखी, उद्विग्न, खिन्न, क्षुब्ध, कातर, संतप्त, पीड़ित
आर्यावर्त	भारत, हिन्द, हिन्दुस्तान, इंडिया
आस्था	आदर, महत्त्व, मान, कद्र
आहार	भोजन, खुराक, खाना
आँसू	अश्रु, नयननीर, नेत्रनीर, नेत्रवारि
आक्षेप	अभियोग, आरोप, इल्लाम, दोषारोपण
आगार	खान, भंडार, संग्रह, स्रोत
आघात	आक्रमण, चोट, ठोकर, प्रहार
आचरण	व्यवहार, शिष्टाचार, सदाचार, बरताव
आज्ञा	निर्देश, आदेश, हुक्म, फरमान, अनुज्ञा, अनुमति, इजाजत
आत्मा	चैतन्य, जीव, ब्रह्म, विभु, सर्वज्ञ, सर्वव्याप्त
आडंबर	प्रपंच, पाखंड, ढोंग, दिखावा
आदर्श	नमूना, प्रतिमान, प्रतिरूप, मानक
आधार	अवलम्ब, आश्रय, सहारा
आधि	दुख, पीड़ा, रोग, आपदा
आनंद	आह्लाद, उल्लास, खुशी, प्रमोद, प्रसन्नता, मोद, हर्ष
आपत्ति	विपदा, विपत्ति, मुसीबत, आपदा, आफ़त
आभूषण	अलंकार, आभरण, गहना, जेवर, भूषण, मंडन
आयुष्मान	चिरायु, चिरंजीव, दीर्घजीवी, दीर्घायु, शतायु
आवाज़	ध्वनि, रव, शब्द, स्वर
आश्चर्य	अचरज, कुतूहल, कौतूहल, ताज्जुब, विस्मय, हैरत, हैरानी
(इ-ई)	
शब्द	पर्याय
इंदिरा	कमला, रमा, लक्ष्मी, श्री, विष्णुप्रिया
इंदीवर	पंकज, जलज, नीरज, कमल, राजीव, उत्पल

संज्ञा शब्दों से विशेषण बनाना

क्रम	शब्द	अर्थ
	प्रताप	पराक्रम
62	पयोज	कमल
	पयोद	बादल
63	परिजन	परिवार के लोग
	परजन	शत्रु
	पर्जन्य	बादल
64	परिच्छद	वस्त्र, ढाँकने की वस्तु
	परिच्छेद	विभाग, अनुच्छेद (पैराग्राफ)
65	प्रसाद	कृपा
	प्रासाद	महल
66	पृथा	कुंती
	प्रथा	रीति
67	पुष्कल	पर्याप्त, बहुत
	पुष्कर	सरोवर, एक तीर्थ
68	परिणय	विवाह
	प्रणय	प्रेम
69	प्रणत	झुका हुआ
70	प्रतिशोध	बदला
	प्रतिषेध	मनाही, वर्जित
71	प्रत्युपकार	उपकार के बदले उपकार
	प्रत्यपकार	अपकार के बदले अपकार
72	प्रहार	हमला, चोट
	परिहार	त्याग
73	प्रांवल	सरल, सुबोध
74	बदन	शरीर
	वदन	मुँह

संज्ञा (Noun)

परिभाषा

संज्ञा उस **विकारी शब्द** को कहते हैं जिससे किसी **विशेष प्राणी, वस्तु, स्थान, गुण या भाव** के नाम का बोध हो। दूसरे शब्दों में—किसी **प्राणी, वस्तु, स्थान, गुण या भाव** के नाम को संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण—

- **प्राणियों के नाम:** मोर, घोड़ा, अनिल, किरण, जवाहरलाल नेहरू आदि।
- **वस्तुओं के नाम:** अनार, रेडियो, किताब, संदूक आदि।
- **स्थानों के नाम:** कुतुबमीनार, नगर, भारत, मेरठ आदि।
- **भावों के नाम:** वीरता, बुढ़ापा, मिठास आदि।

यहाँ '**वस्तु**' शब्द का प्रयोग व्यापक अर्थ में हुआ है; यह केवल **प्राणी और पदार्थ** का ही नहीं, बल्कि उनके **धर्म/गुण** का भी सूचक है। साधारण अर्थ में '**वस्तु**' का प्रयोग इतना व्यापक नहीं होता। अतः **वस्तु** के अंतर्गत **प्राणी, पदार्थ और उनके धर्म (गुण)** आते हैं। इन्हीं के आधार पर संज्ञा के भेद किए गए हैं।

संज्ञा के भेद

संज्ञा के तीन भेद होते हैं—

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा (Proper Noun)**
2. **जातिवाचक संज्ञा (Common Noun)**
3. **भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun)**

(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा

जिस शब्द से किसी **विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान** के नाम का बोध हो, उसे **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहते हैं।

उदाहरण—

- **व्यक्ति के नाम:** रवीना, सोनिया गांधी, श्याम, हरि, सुरेश, सचिन आदि।
- **वस्तुओं के नाम:** कार, टाटा चाय, कुरान, गीता, रामायण आदि।
- **स्थानों के नाम:** ताजमहल, कुतुबमीनार, जयपुर आदि।
- **दिशाओं के नाम:** उत्तर, पश्चिम, दक्षिण, पूर्व।
- **देशों के नाम:** भारत, जापान, अमेरिका, पाकिस्तान, म्यांमार (बर्मा)।
- **राष्ट्रीयताओं/जातियों के नाम:** भारतीय, रूसी, अमेरिकी।
- **समुद्रों के नाम:** काला सागर, भूमध्य सागर, हिंद महासागर, प्रशांत महासागर।
- **नदियों के नाम:** गंगा, ब्रह्मपुत्र, वोल्गा, कृष्णा, कावेरी, सिंधु।

- **पर्वतों के नाम:** हिमालय, विंध्याचल, अलकनंदा, कराकोरम।
- **नगरों, चौकों और सड़कों के नाम:** वाराणसी, गया, चाँदनी चौक, हैरिसन रोड, अशोक मार्ग।
- **पुस्तकों तथा समाचार-पत्र/पत्रिकाओं के नाम:** रामचरितमानस, ऋग्वेद, धर्मयुग, इंडियन नेशन, आर्यावर्ती
- **ऐतिहासिक युद्धों और घटनाओं के नाम:** पानीपत की पहली लड़ाई, सिपाही-विद्रोह, अकूबर-क्रांति।
- **दिनों और महीनों के नाम:** मई, अक्टूबर, जुलाई; सोमवार, मंगलवार।
- **त्योहारों और उत्सवों के नाम:** होली, दीवाली, रक्षाबंधन, विजयादशमी।

(2) जातिवाचक संज्ञा

जिस शब्द से एक जाति के सभी प्राणियों, वस्तुओं या स्थानों का बोध हो, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण— बच्चा, जानवर, नदी, अध्यापक, बाजार, गली, पहाड़, खिड़की, स्कूटर आदि।

ये शब्द एक ही प्रकार के प्राणी, वस्तु या स्थान का बोध कराते हैं, इसलिए ये जातिवाचक संज्ञाएँ हैं।

स्पष्टीकरण—

- **'लड़का'** से राजेश, सतीश, दिनेश आदि सभी लड़कों का बोध होता है।
- **'पशु-पक्षी'** से गाय, घोड़ा, कुत्ता आदि सभी पशु-पक्षियों का बोध होता है।
- **'वस्तु'** से मकान, कुर्सी, पुस्तक, कलम आदि का बोध होता है।
- **'नदी'** से गंगा, यमुना, कावेरी आदि सभी नदियों का बोध होता है।
- **'मनुष्य'** से संसार की मनुष्य-जाति का बोध होता है।
- **'पहाड़'** से संसार के सभी पहाड़ों का बोध होता है।

(3) भाववाचक संज्ञा

थकान, मिठास, बुढ़ापा, गरीबी, आज़ादी, हँसी, चढ़ाई, साहस, वीरता आदि शब्द भाव, गुण, अवस्था या क्रिया-व्यापार का बोध कराते हैं; इसलिए ये भाववाचक संज्ञाएँ हैं।

परिभाषा— जिन शब्दों से किसी प्राणी या पदार्थ के गुण, भाव, स्वभाव या अवस्था का बोध हो, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण— उत्साह, ईमानदारी, बचपन आदि। इनमें 'उत्साह' से मन का भाव, 'ईमानदारी' से गुण और 'बचपन' से जीवन की अवस्था का बोध होता है; अतः ये भाववाचक संज्ञाएँ हैं।

हर पदार्थ का कोई न कोई धर्म (गुण) होता है—जैसे पानी में शीतलता, आग में गर्मी, मनुष्य में देवत्व और पशुत्व। पदार्थ का गुण या धर्म उससे अलग नहीं रह सकता। जैसे

घोड़ा है तो उसमें बल, वेग और आकार भी है। व्यक्तिवाचक संज्ञा की तरह भाववाचक संज्ञा से भी किसी एक विशिष्ट भाव/गुण/अवस्था का बोध होता है। 'धर्म', 'गुण', 'अर्थ' और 'भाव' प्रायः परस्पर संबंधित (कभी-कभी पर्यायवत्) शब्द हैं। भाववाचक संज्ञा का अनुभव हमारी इंद्रियों से होता है और प्रायः इसका बहुवचन नहीं होता।

भाववाचक संज्ञाएँ बनाना

भाववाचक संज्ञाओं का निर्माण जातिवाचक संज्ञा, विशेषण, क्रिया, सर्वनाम तथा अव्यय शब्दों से किया जाता है। भाववाचक संज्ञा बनाते समय शब्दों के अंत में प्रायः -पन, -त्व, -ता आदि प्रत्ययों का प्रयोग होता है।

(1) जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा बनाना

जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
स्त्री	स्त्रीत्व	भाई	भाईचारा
मनुष्य	मनुष्यता	पुरुष	पुरुषत्व, पौरुष
शास्त्र	शास्त्रीयता	जाति	जातीयता
पशु	पशुता	बच्चा	बचपन
दनुज	दनुजता	नारी	नारीत्व
पात्र	पात्रता	बूढ़ा	बुढ़ापा
लड़का	लड़कपन	मित्र	मित्रता
दास	दासत्व	पंडित	पंडिताई
अध्यापक	अध्यापन	सेवक	सेवा

(1) विशेषण से भाववाचक संज्ञा

विशेषण	भाववाचक संज्ञा	विशेषण	भाववाचक संज्ञा
लघु	लघुता, लघुत्व, लाघव	वीर	वीरता, वीरत्व
एक	एकता, एकत्व	चालाक	चालाकी
खट्टा	खटाई	गरीब	गरीबी
गंवार	गंवारपन	पागल	पागलपन
बूढ़ा	बुढ़ापा	मोटा	मोटापा
नवाब	नवाबी	दीन	दीनता, दैन्य
बड़ा	बड़ाई	सुंदर	सौंदर्य, सुंदरता
भला	भलाई	बुरा	बुराई
ठीठ	ढिठाई	चौड़ा	चौड़ाई
लाल	लालिमा	आवश्यक	आवश्यकता
परिश्रमी	परिश्रम	अच्छा	अच्छाई
गंभीर	गंभीरता, गांभीर्य	सभ्य	सभ्यता

अध्याय - 13

क्रिया

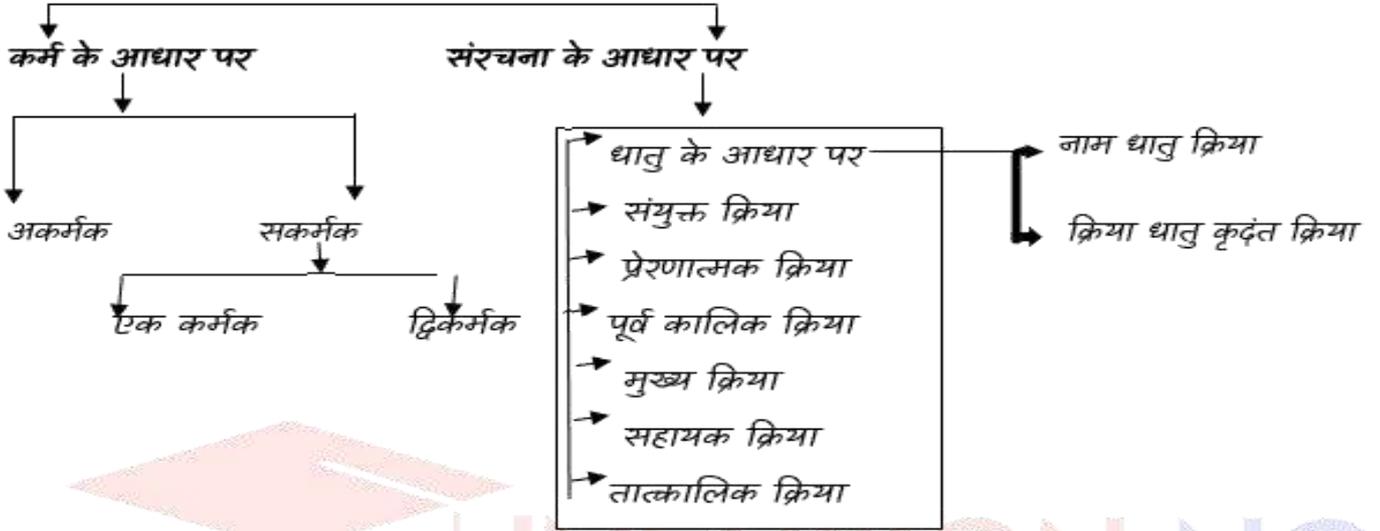
परिभाषा:- जिस शब्द से किसी काम का होना, करना, पाया जाये वह क्रिया कहलाती है।

नोट:- धातु को मूलतः क्रिया के मूल रूप को कहा जाता है अर्थात् क्रिया के मूलरूप को धातु कहते हैं।

क्रिया के भेद या प्रकार - (02)

क्रिया दो प्रकार की होती है या रचना या बनावट के आधार पर क्रिया दो प्रकार की होती है।

क्रिया के भेद



1. सकर्मक क्रिया

जिस क्रिया में कर्म हो या कर्म की संभावना हो और क्रिया का प्रभाव सीधे कर्म पर पड़े, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।

उदाहरण—

- राम फल खाता है।
- राम गाना गाता है।
- राम पत्र लिखता है।

इन वाक्यों में खाना, गाना, लिखना का प्रभाव क्रमशः फल, गाना, पत्र (कर्म) पर पड़ रहा है; इनके बिना क्रिया पूर्ण नहीं होती—अतः ये सकर्मक क्रियाएँ हैं।

पहचान — क्रिया से पहले “क्या?” या “किसको?” लगाने पर यदि उत्तर मिले, तो वह कर्म है और क्रिया सकर्मक होगी।

(i) एककर्मक क्रिया

जिस क्रिया के साथ एक ही कर्म होता है।

उदाहरण—

- मोहन खाना खाता है।
- नीलम पुस्तक पढ़ती है।

(ii) द्विकर्मक क्रिया

जिस क्रिया के साथ दो कर्म होते हैं।

उदाहरण—

- राम ने श्याम को पुस्तक दी।
- मैंने पुलिस को चोर पकड़वा दिया।

द्विकर्मक वाक्यों में एक कर्म के साथ प्रायः “को” आता है (अप्रत्यक्ष कर्म) और दूसरे कर्म की पहचान “क्या?” से होती है (प्रत्यक्ष कर्म)।

जैसे— मैंने पुलिस को चोर पकड़वा दिया — यहाँ ‘पुलिस को’ अप्रत्यक्ष कर्म है और ‘क्या पकड़वाया?’ → ‘चोर’ प्रत्यक्ष कर्म।

2. अकर्मक क्रिया

जिस क्रिया में कर्म न हो और क्रिया का प्रभाव सीधे कर्ता पर पड़े, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।

उदाहरण—

- नरेश दौड़ रहा है।
- बच्चा रोता है।
- चिड़िया उड़ रही है।

यहाँ क्रियाओं का प्रभाव क्रमशः नरेश, बच्चा, चिड़िया (कर्ता) पर पड़ता है।

ट्रिक — यदि कार्य का प्रभाव स्वयं पर पड़े, तो क्रिया अकर्मक होती है।

उदा.— हँसना, जागना, रोना, सोना, नाचना, पिसना आदि।

3. पूर्वकालिक क्रिया

जब कर्ता एक क्रिया पूरी कर दूसरी क्रिया आरम्भ करता है, तो पहली क्रिया पूर्वकालिक कहलाती है।

पहचान — कर, करके

उदाहरण—

- रीना खाना खाकर सो गई।

अध्याय - 15

मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ

संशोधित एवं परिष्कृत पाठ

मुहावरा

मुहावरा बात कहने की एक विशेष शैली है। यह अरबी भाषा के 'मुहावरत' शब्द से बना है, जिसका शाब्दिक अर्थ है—

अभ्यास करना या बातचीत करना।
“लक्षणा एवं व्यंजना द्वारा वह रूढ़ वाक्यांश, जो किसी भाषा में प्रचलित होकर अपने प्रत्यक्ष अर्थ के स्थान पर सांकेतिक अर्थ देता है, मुहावरा कहलाता है।”
जैसे— खिचड़ी पकाना, लाठी खाना, नाम धरना आदि।

लोकोक्तियाँ / कहावतें

'लोकोक्ति' का अर्थ है— लोक समाज में प्रचलित उक्तियाँ तथा 'कहावत' का अर्थ है— कही जाने वाली बात। ऐसा वाक्य जो संक्षेप में, चमत्कृत ढंग से किसी सत्य या नीति का प्रभावशाली रूप से बोध कराए तथा लंबे समय तक प्रयोग में रहकर जन-जीवन में प्रचलित हो जाए, उसे लोकोक्ति या कहावत कहते हैं।

लोकोक्तियों / कहावतों की विशेषताएँ

1. लोकोक्तियाँ/कहावतें प्रत्यक्ष नहीं, बल्कि सांकेतिक अर्थ देती हैं।
2. इनमें जीवन के गहरे एवं मूल्यवान अनुभव निहित रहते हैं, इसलिए इन्हें ज्ञान की पिढारियाँ कहा जाता है।
3. ये किसी एक व्यक्ति से संबंधित न होकर जन-साधारण की धरोहर होती हैं।

मुहावरे एवं उनके अर्थ

मुहावरा / लोकोक्ति

अर्थ

- | | |
|----------------------------------|--------------------------|
| 1. अपना उल्लू सीधा करना | = स्वार्थ सिद्ध करना |
| 2. अपनी खिचड़ी अलग पकाना | = सबसे अलग रहना |
| 3. अपने मुँह मियाँ मिट्टू बनना | = स्वयं की प्रशंसा करना |
| 4. अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना | = स्वयं को हानि पहुँचाना |
| 5. अपने पैरों पर खड़े होना | = आत्मनिर्भर होना |
| 6. अक्ल पर पत्थर पड़ना | = बुद्धि भ्रष्ट होना |
| 7. अक्ल के पीछे लट्टु लेकर फिरना | = मूर्खता प्रदर्शित करना |
| 8. अंगूठा दिखाना | = किसी काम से इंकार करना |
| 9. अंधे की लाठी होना | = एकमात्र सहारा होना |
| 10. अच्छे दिन आना | = भाग्य खुलना |

मुहावरा / लोकोक्ति

अर्थ

- | | |
|-------------------------------|-----------------------------|
| 11. अंग-अंग फूले न समाना | = अत्यधिक प्रसन्न होना |
| 12. अंगारों पर पैर रखना | = साहसपूर्वक खतरे में पड़ना |
| 13. आँख का तारा होना | = अत्यंत प्रिय होना |
| 14. आँखें बिछाना | = प्रेमपूर्वक स्वागत करना |
| 15. आँखें खुलना | = वास्तविकता का बोध होना |
| 16. आँखों से गिरना | = सम्मान कम होना |
| 17. आँखों में धूल झोंकना | = धोखा देना |
| 18. आँख दिखाना | = क्रोध करना / डराना |
| 19. आटे-दाल का भाव मालूम होना | = कठिनाई का अनुभव होना |
| 20. आग-बबूला होना | = अत्यधिक क्रोधित होना |
| 21. आग से खेलना | = जानबूझकर मुसीबत मोल लेना |
| 22. आग में घी डालना | = क्रोध भड़काना |
| 23. आँच न आने देना | = हानि न होने देना |
| 24. आड़े हाथों लेना | = खरी-खोटी सुनाना |
| 25. आनाकानी करना | = टालमटोल करना |
| 26. आँचल पसारना | = याचना करना |
| 27. आस्तीन का साँप होना | = कपटी मित्र |
| 28. आकाश के तारे तोड़ना | = असंभव कार्य करना |
| 29. आसमान से बातें करना | = बहुत ऊँचा होना |
| 30. आकाश सिर पर उठाना | = बहुत शोर करना |
| 31. आकाश-पाताल एक करना | = बहुत प्रयत्न करना |
| 32. आँख का काँटा होना | = बहुत बुरा लगना |
| 33. आँसू पीकर रह जाना | = भीतर-ही-भीतर दुखी होना |
| 34. आठ-आठ आँसू गिराना | = अत्यधिक पश्चाताप करना |
| 35. इधर-उधर की हाँकना | = निरर्थक बातें करना |
| 36. इतिश्री होना | = समाप्त होना |
| 37. इस हाथ लेना, उस हाथ देना | = हिसाब बराबर करना |
| 38. ईद का चाँद होना | = बहुत दिनों बाद दिखाई देना |
| 39. ईट से ईट बजाना | = पूरी तरह नष्ट करना |
| 40. ईट का जवाब पत्थर से देना | = कठोर प्रतिकार करना |
| 41. आँसू पोंछना | = सांत्वना देना |
| 42. आँखें तरेरना | = क्रोध से देखना |
| 43. आकाश टूट पड़ना | = अचानक विपत्ति आना |
| 44. आग लगने पर कुआँ खोदना | = समय पर उपाय न करना |

मुहावरा / लोकोक्ति	अर्थ
45. उँगली उठाना	= निंदा करना
46. उन्नीस-बीस का फर्क होना	= मामूली अंतर होना
47. उलटी गंगा बहाना	= प्रचलन के विपरीत कार्य करना
48. उड़ती चिड़िया पहचानना	= अत्यंत चतुर होना
49. उल्लू बनाना	= मूर्ख बनाना
50. उँगली पर नचाना	= अपने वश में करना
51. एक और एक ग्यारह होना	= एकता में शक्ति होना
52. एक लाठी से हाँकना	= समान व्यवहार करना
53. एक आँख से देखना	= भेदभाव न करना
54. एड़ी-चोटी का जोर लगाना	= पूरी शक्ति लगाना
55. एक ही थाली के चट्टे-बट्टे होना	= समान स्वभाव का होना
56. ओखली में सिर देना	= जानबूझकर मुसीबत मोल लेना
57. ओढ़ लेना	= जिम्मेदारी लेना
58. और का और होना	= पूरी तरह बदल जाना
59. ओंने-पौंने बेचना	= हानि में बेचना
60. कंचन बरसना	= चारों ओर धन आना
61. किस्मत को कोसना	= भाग्य पर दोष देना
62. कंठ का हार होना	= अत्यंत प्रिय होना
63. काम में हाथ डालना	= काम आरंभ करना
64. कूपमंडूक होना	= अल्पज्ञ होना
65. कुएँ में भाँग पड़ना	= सबकी बुद्धि मारी जाना
66. कन्नौ काटना	= चुपके से निकल जाना
67. कलेजा मुँह को आना	= बहुत डर जाना
68. कलेजा ठंडा होना	= संतुष्ट होना
69. कान खाना	= बार-बार परेशान करना
70. कान भरना	= चुगली करना
71. कफन सिर पर बाँधना	= मरने-मारने को तैयार होना
72. कमर कसना	= तैयार होना
73. कोल्हू का बँल होना	= निरंतर मेहनत करने वाला
74. कीचड़ उछालना	= बदनाम करना
75. कटे पर नमक छिड़कना	= दुःख बढ़ाना
76. गुदड़ी का लाल होना	= गुणवान व्यक्ति होना
77. गड़े मुर्दे उखाड़ना	= पुरानी बातें उठाना
78. गले पड़ना	= जबरन आश्रित होना

मुहावरा / लोकोक्ति	अर्थ
79. गंगा नहाना	= दायित्व से मुक्ति पाना
80. गिरगिट की तरह रंग बदलना	= अवसरवादी होना
81. गुड़-गोबर होना	= काम बिगड़ जाना
82. गुलछर्रे उड़ाना	= मौज-मस्ती करना
83. गागर में सागर भरना	= कम शब्दों में बहुत कुछ कहना
84. घुटने टेक देना	= हार मान लेना
85. घी के दीये जलाना	= बहुत प्रसन्न होना
86. घर सिर पर उठाना	= बहुत शोर मचाना
87. घोड़े बेचकर सोना	= निश्चित होकर सोना
88. चार चाँद लगाना	= शोभा बढ़ाना
89. छाती ठोकना	= आत्मविश्वास दिखाना
90. जान हथेली पर रखना	= जान की परवाह न करना
91. जले पर नमक छिड़कना	= दुःख बढ़ाना
92. नाक कटना	= बदनामी होना
93. नाम-निशान तक न बचना	= पूरी तरह नष्ट होना
94. पानी-पानी होना	= ललित होना
95. पाँचों उँगलियाँ घी में होना	= हर ओर से लाभ होना
96. बीड़ा उठाना	= उत्तरदायित्व लेना
97. बाल की खाल निकालना	= अत्यधिक नुक्ताचीनी करना
98. मन के लड्डू खाना	= व्यर्थ कल्पनाएँ करना
99. मुँह की खाना	= हार जाना
100. मन मारना	= इच्छाएँ दबाना

लोकोक्तियाँ एवं कहावतें

- **अपना रख, पराया चख** - अपना बचाकर दूसरों का माल हड़प करना
- **अपनी करनी पार उतरनी** - अपने ही परिश्रम से उद्धार होता है।
- **अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता** - अकेला व्यक्ति शक्तिहीन होता है।
- **अधजल गगरी छलकत जाए** - ओछा व्यक्ति अधिक दिखावा करता है।
- **अंधों में काना राजा** - मूर्खों में थोड़ा ज्ञान वाला भी सम्मान पाता है।
- **अंधे के हाथ बटेर लगना** - अयोग्य व्यक्ति को संयोग से लाभ मिल जाना।
- **अंधा पीसे कुत्ता खाए** - मूर्ख की मेहनत का लाभ दूसरे उठा लेते हैं।
- **अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया खेत चुग गई** - अवसर निकल जाने पर पछताने से कुछ नहीं होता।

Chapter - 1

Time And Tense

Time (समय) और Tense (काल) दोनों ऐसे शब्द हैं जिनमें संबंध होते हुए भी अंतर है।

Time का प्रयोग सामान्य अर्थ में होता है, जबकि Tense का प्रयोग विशेष अर्थ में Verb के form का निरूपण करने के लिए किया जाता है। चलिए नीचे दिए गए उदाहरणों पर हम लोग विचार करते हैं -

1. Veena goes to the market every Sunday.
2. The plane takes off at 5 p.m. tomorrow.
3. He had no money yesterday.

उदाहरण (1) में Simple Present Tense का प्रयोग किया गया है। लेकिन इससे Past, Present, और Future तीनों का बोध होता है, वीणा Past time में प्रत्येक रविवार को जाती है और आशा है कि Future time में भी प्रत्येक रविवार को जाएगी।

उदाहरण (2) में स्पष्ट होता है कि प्लेन (plane) कल 5 बजे शाम को प्रस्थान करेगा। इस वाक्य में भी Simple Present Tense का प्रयोग किया गया है, लेकिन इससे future time का बोध होता है।

उदाहरण (3) में Simple Past Tense का प्रयोग किया गया है, तथा इससे past time का बोध होता है। ऊपर दिए गए उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि Verb के Present Tense में रहने पर भी इस पर Present, Past और Future Time का बोध होता है।

अतः Verb के Tense तथा इसके प्रयोग को सावधानी से समझने की जरूरत है सर्वप्रथम एक प्रश्न उठता है कि Tense क्या है? इस प्रश्न का उत्तर किस प्रकार है :

Tense : Form of verb जो बताता है कि काम हो चुका है, हो रहा है या होगा, उसे Tense कहते हैं।

Kinds of Tense

1. Present Tense (वर्तमान काल)
2. Past Tense (भूतकाल)
3. Future Tense (भविष्य काल)

1. Present Tense : किसी कार्य के वर्तमान समय में होने या करने, हो रहा है, हो चुका है, या हो गया है तथा एक लंबे समय से होता रहा है, का बोध हो तो उसे Present Tense कहते हैं।

दूसरे शब्दों में - An action which is done at the present time. जैसे -

1. I read a book
मैं पुस्तक पढ़ता हूँ।

2. I am reading a book

मैं पुस्तक पढ़ रहा हूँ।

3. I have read a book

मैं पुस्तक पढ़ चुका हूँ।

4. I have been reading a book for an hour

मैं दो घंटे से पुस्तक पढ़ता रहा हूँ।

2. Past Tense : किसी कार्य के बीते हुए समय में होने या करने, हो रहा था, हो चुका था, या हो गया था तथा एक लंबे समय से होता रहा था का बोध हो, तो उसे Past Tense कहते हैं।

दूसरे शब्दों में- An action which is done at the Past time. जैसे -

1. I wrote a letter.

मैं पत्र लिखता था या मैंने पत्र लिखा।

2. I was writing a letter.

मैं पत्र लिख रहा था।

3. I had written a letter.

मैं पत्र लिख चुका था या मैंने पत्र लिखा था

4. I had been writing a letter for two days.

मैं दो दिनों से पत्र लिख रहा था

3. Future Tense : किसी कार्य के आने वाले समय में होने या करने, हो रहा होगा क्या होता रहे गा, हो चुका होगा या हो गया होगा तथा एक निश्चित समय से होता आ रहा होगा का बोध हो, उसे Future Tense कहते हैं। जैसे -

1. I shall write a letter.

मैं पत्र लिखूंगा।

2. I shall be writing later.

मैं पत्र लिख रहा हूंगा।

3. I shall have written a letter.

मैं पत्र लिख चुका हूंगा।

4. I shall have been writing a letter.

मैं पत्र लिखता आ रहा होऊंगा।

उपयुक्त उदाहरण से यह स्पष्ट होता है कि Present, Past तथा Future Tense के भी चार-चार उपभेद होते हैं।

1. Present Tense

Present Tense के चार उपभेद होते हैं।

1. Present Indefinite Tense / Simple Present Tense (सामान्य वर्तमान काल)
2. Present Continuous / Progressive Tense (अपूर्ण वर्तमान काल / तात्कालिक वर्तमान काल)
3. Present Perfect Tense (पूर्ण वर्तमान काल)
4. Present perfect continuous tense (पूर्णापूर्ण वर्तमान काल / पूर्ण तात्कालिक वर्तमान काल)

1. Simple Present Tense

Structure :

Positive:-

Singular: sing. Sub. + V(1) +s/es +obj.

ram reads books.

Plural: plural Sub. + V(1) +obj.

they read books.

Negative:-

Subject +do/does +not +main verb +Object

Ex- Ram does not read books.

Interrogative:-

1st type:-

Do/does +subj +main verb +Object+?

2nd type :-WH words + 1st type

Ex- Does ram read books?

Interrogative Negative:-

Do/does +subj +not +main verb +Object+?

Rules of Using Simple Present Tense

Rule (1): Simple Present Tense का प्रयोग habitual/ regular/ repeated action (नियमित या स्वाभाविक कार्य) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। जैसे -

He always comes here on Sunday.

He takes tea without sugar.

We work eight hours a day.

Shweta and Anshu are girls.

Note: Time expressing Adverbs (समय सूचक क्रिया विशेषण) के लिए use किया जाता है। जैसे -

always, often, sometimes, generally, usually, occasionally, rarely, seldom, never, hardly, scarcely, habitually, daily, everyday, every night, every morning, every evening, every week, every month, every year, once a week, once a day, once a month, twice a day, twice a week, twice a month आदि का प्रयोग habitual, or regular or repeated action को express करने के लिए किया जाता है। जैसे-

He always comes here at night.

He usually comes here at night.

He often comes here at night.

He rarely comes here at night.

Rule (2) : Universal truth (नैसर्गिक सत्य)/ principal (सिद्धांत)/ permanent activities (स्थायी कार्य व्यापार) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए use किया जाता है। जैसे -

<https://www.infusionnotes.com/>

The sun rises in the east.

Two and two makes four.

Man is mortal.

Water boils at 100°C.

Rule (3): possession (अधिकार) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। जैसे -

I have a car.

He owns a big building.

Rule (4) : mental activity (मानसिक क्रिया कलाप)/emotions तथा feelings को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। जैसे

We believe in hard work. (mental activity)

She likes music. (emotion)

She seems tired. (feeling)

Note : notice, recognise, see, hear, smell, appear, want, wish, desire, feel, like, love, hate, hope, refuse, prefer, think, suppose, believe, agree, consider, trust, remember, forget, know, understand, imagine, means, mind etc. का प्रयोग mental activity express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। अतः इन सारे Verbs का प्रयोग Simple Present Tense में होता है।

Rule (5) : fixed programme (सुनियोजित कार्यक्रम) or fixed plan (सुनियोजित योजना) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। इससे future time का बोध होता है। जैसे -

The college reopens in October.

कॉलेज पुनः अक्टूबर को खुलेगा।

She leaves for New York next Monday.

अगले सोमवार को न्यूयॉर्क के लिए प्रस्थान करेगी।

The prime minister comes here tomorrow.

प्रधानमंत्री कल यहां आएंगे।

My brother returns tomorrow.

मेरा भाई कल लौटेगा।

Note : इस तरह के वाक्यों में future time expressing Adverbs.

जैसे- Tomorrow, next day, next night, next month, next year, next week, In January, In February, In march on Monday, on Tuesday.etc. का प्रयोग निश्चित रूप से रहता है।

Rule (6) : Conditional sentence (शर्त सूचक वाक्य) में सामान्यतः दो Clauses का प्रयोग होता है।

इनमें एक Principal Clause तथा दूसरा subordinate Clause होता है।

Future tense

1. Future Indefinite Tense:-

हिन्दी पहचान - सामान्यतः हिन्दी वाक्यों के अंत में गा, गी, गे आदि शब्द आते हैं।

Adverbials - Tomorrow, Next + day / night / week / month / year / any time, in future Etc.

Helping verb - इस Tense में। तथा We के साथ Shall तथा अन्य कर्ताओं के साथ Will का प्रयोग करते हैं।

Main verb - इस tense में M.V. की 1st Form का प्रयोग करते हैं।

Simple Sentence:-

Affirmative:-

Subject + Shall / Will + M. V 1st + Object + Etc.

We Shall go to the temple of Vaishno Devi.

Negative:-

Subject + Shall / Will + Not M.V 1st + Object + Etc.

They will not play with the team.

Interrogative:-

(A) Will / Shall + Subject + M.V 1st + Object + Etc.?

(B) Wh Word + Will / Shall + Subject + M.V 1st + Object Etc. ?

Ex -

Where will he eat food ?

Will you help me ?

Interrogative Negative:-

(A) Will / shall + Subject + Not + M.V 1st + Object + Etc.?

(B) Wh Word + Will / Shall + Subject + Not + M.V 1st + Object + Etc.?

Why will some students not come to school tomorrow ?

Will the girls not participate in Mehndi competition?

2. Future Continuous Tense:-

1. हिन्दी पहचान - सामान्यतः हिन्दी वाक्यों के अंत में रहा होगा, रही होगी, रहे होंगे, रहा होऊंगा आदि शब्द आते हैं।
2. Adverbials - Tomorrow at this + any time
3. Helping verb - इस Tense में। तथा We के साथ Shall Be तथा अन्य कर्ताओं के साथ Will Be का प्रयोग करते हैं।

4. Main verb - इस Tense में M.V की 1st Form + ing का प्रयोग करते हैं।

Affirmative:-

Subject + Shall / Will + Be + M.V 1st + ing + Object + Etc.

Ex -

1. हम पूजा कर रहे होंगे।
We shall be worshipping .

Negative:-

Subject + Shall / Will + Not + Be + M.V 1st + ing + Object + Etc.

Ex -

1. कुत्ता नहीं भौंक रहा होगा।
The dog will not be barking.

Interrogative:-

(A) Will / Shall + Subject + Be + M.V 1st + ing + Object + Etc.?

(B) Wh word + Will / Shall + Subject + Be + M.V 1st + ing + Object + Etc.?

Ex -

1. क्या वह क्रिकेट खेल रहा होगा?
Will he be playing cricket?

2. वह क्यों खेल रही होगी ?
Why will she be playing?

Interrogative Negative:-

(A) Will / Shall + Subject + Not + Be + M.V 1st + ing + Object + Etc. ?

(B) Wh Word + Will / Shall + Subject + Not + Be + M.V 1st + ing + Object + Etc.?

Ex -

1. क्या पवन विद्यालय नहीं जा रहा होगा?
Will Pavan not be going to school?
2. पंखा धीरे क्यों चल रहा होगा?
Why will the fan not be moving slowly?

3. Future Perfect Tense:-

1. हिन्दी पहचान - सामान्यतः हिन्दी वाक्यों के अंत में चुका होगा, चुकी होगी, चुके होंगे, चुका होऊंगा अथवा आ होगा, ई होगी, ऐ होंगे आदि शब्द की ध्वनि आती है।
2. Adverbials - By + any time
3. Helping verb - इस Tense में। तथा We के साथ Shall Have तथा अन्य कर्ताओं के साथ Will Have का प्रयोग करते हैं।
4. Main verb - इस Tense में M.V की 3rd Form का प्रयोग करते हैं।

Chapter - 6

Preposition

preposition मतलब pre + position

pre का अर्थ पहले (before) होता है, जबकि position का अर्थ स्थान (place) होता है। अतः preposition एक ऐसा word है, जो noun or pronoun के पहले प्रयुक्त होकर noun or pronoun का संबंध sentences के अन्य शब्दों से दिखलाता है।

A preposition is a word used before a noun or pronoun to show its relation with the other words of the sentence.

Example:-

1. The book is **on** the table.
2. The pen is **in** the inkpot.
3. The cat is **under** the table.

उपयुक्त शब्दों में on, in, under, का प्रयोग क्रमशः the table, the inkpot, the table के पहले प्रयुक्त हुआ जो वाक्य के अन्य शब्दों -the book, the pen, the cat से संबंध बताता है अतः on, in, under, prepositions हैं।

Rules Of Preposition :-

- preposition हमेशा noun या pronoun से पहले प्रयोग किया जाता है।
noun में हम निम्नलिखित शब्द शामिल करते हैं -

 - A. noun (cat ,money ,love)
 - B. proper noun (name like india ,mira)
 - C. pronoun(him ,you ,her ,us)
 - D. noun group (my first job)
 - E. gerund (swimming ,playing)

- preposition 'verb' से पहले कभी नहीं प्रयोग किया जाता है। अगर preposition को verb से पहले use करना चाहते हैं तो verb की ing form का प्रयोग करना होगा। क्योंकि verb में ing जोड़ देने से वह gerund बन जाता या या फिर उसे noun की form में verb कह सकते हैं।
- infinitive में to + verb की 1 form का प्रयोग किया जाता है। यहाँ to preposition नहीं है बल्कि यह infinitive का ही part है। जैसे :-
I would like **to move** now.

infinitive

यहाँ **to move** infinitive है इसलिए to यहाँ preposition नहीं है।

- जब Object - interrogative pronoun जैसे :- What, Who, Whom, Which, Where etc. हो तो preposition को वाक्य के अन्त में लगाया जाता है। जैसे : What are you thinking **of** ?
which of these chairs did you sit **on** ?

<https://www.infusionnotes.com/>

- जब Object-Relative pronoun 'that' होता है , तो preposition को वाक्य के अंत में लगाया जाता है। जैसे:-
Here is the magazine **that** you asked **for**?
This is the girl **that** I told you **of**.
- जब object-infinitive हो तो preposition को infinitive के बाद लगाया जाता है। जैसे :-
this is a good hotel to stay **at**.
this is ball to play **with**.
- कुछ वाक्यों में relative pronoun,Hidden किया हुआ रहता है। इनमें preposition अंत में लगता है जैसे :-
This is the house (where)I lived **in**.
- कुछ वाक्यों में preposition का प्रयोग शुरू में ही किया जाता है सामान्यतया ऐसे वाक्य interrogative होते हैं। जैसे :-
By which train did you come ?

Kinds of prepositions :-

preposition 4 प्रकार के होते हैं -

1. **simple preposition** :- at ,in ,for ,from , off, on, out, with, down by, through, till, to etc.
2. **compound prepositions**:- about, beside , inside, along, below, outside, amidst, beneath, within, among, between, without, aloud, beyond, underneath
3. **Phrasal Prepositions**:-दो या दो से अधिक शब्दों को जोड़कर बनने वाले prepositions ,phrasal preposition कहलाते हैं। जैसे :-
along with ,in addition to , in place of ,because of, in case of, in spite of, by means of, in course of, owing to, for the sake of, with reference to, in comparison to, in favour of with, with regard to, instead of, in accordance with, in respect to, according to
4. **Participle Prepositions**:- जब वाक्य में present participle का प्रयोग बिना noun/pronoun के होता है ,तो present participle एक preposition की तरह function करता है। जैसे :- concerning, pending, regarding, considering, touching etc.
Ex-considering the quality ,the prices are reasonable.

Correct Use of Prepositions:-

(A) Use of 'At':-

Rule (1) :-At का प्रयोग छोटे स्थानों के नाम (name of smaller places) के पहले 'में' के अर्थ में होता है। जैसे-
My brother lives at Jajuar. (गांव)
I live at Musallahpur hat. (मुहल्ला)

Rule (2) :- At का प्रयोग नीचे दिये गए शब्दों के बाद 'लक्ष्य' के अर्थ को अभिव्यक्त करने के लिए किया जाता है। जैसे-

shout at	grumble at	shoot at
laugh at	mock at	bite at
look at	kick at	aim at
smile at	growl at	

Rule (3) :- At का प्रयोग समय को अभिव्यक्त करने के लिए 'पर' के अर्थ में होता है। जैसे-

He will reach at 5 a.m.

He came at 6 O' clock

Rule (4) :- At का प्रयोग नीचे दिये गए शब्दों के पहले होता है। जैसे-

At the station	At page 50
At a concert	At school
At the airport	At a match
At the bottom	At college
At the theatre	At home
At a lecture	At a concert
At a conference	At the top
At the bus stop	At the bridge
At the bus stop	At university
At the platform	

Rule (5) :- 'At' का प्रयोग समय सूचक शब्दों के पहले होता है।

At night	At noon	At dawn
At dusk	At midnight	At afternoon
At daybreak	At twilight	

Rule (6) :- At का प्रयोग निम्नलिखित शब्दों के पहले होता है। जैसे-

At this moment At bed time

At this hour At Christmas

At Easter

Rule (7) :- At का प्रयोग कीमत/दर/चाल की दर को अभिव्यक्त करने वाले शब्दों के पहले होता है। जैसे-

Milk sells at Rs. 22/- a litre. (दर -rate)

He got that book at Rs. 50. (कीमत-price)

The motorcycle is running at eighty kilometres an hour. (चाल की दर-speed)

Rule (8) :- At का प्रयोग temporary action (अस्थायी कार्य) को अभिव्यक्त करने के लिए किया जाता है। जैसे-

<https://www.infusionnotes.com/>

He is at work. अर्थ-He is working now.

She is at play. अर्थ—She is playing now.

Rule (9) :- At का प्रयोग उम्र (age) तथा चरण (stage) को अभिव्यक्त करने वाले शब्दों के पहले होता है। जैसे-

My grandfather died at the age of sixty.

I left college at twenty five.

(B) Use of 'In' :-

Rule (1) :- In का प्रयोग बड़े स्थानों (bigger places) जैसे—देश, शहर, राज्य, महादेश, महानगर आदि के नामों के पहले होता है। जैसे-

We live in India. (देश)

India is in Asia. (महादेश)

She lived in Uttar Pradesh (राज्य)

Mr. Thakur lives in Patna (शहर)

My father-in-law lives in Mumbai. (महानगर)

Rule (2) :- In का प्रयोग निम्नलिखित phrases में होता है। जैसे-

In the night

In the evening

In the morning

In the afternoon

ध्यान दें :- In the night or at night के प्रयोग में फर्क होता है।

Note :- In the night का प्रयोग 'किसी निश्चित रात' के अर्थ में होता है। जबकि at night का प्रयोग 'किसी रात' के अर्थ में होता है।

Rule (3) :- In का प्रयोग निम्नलिखित शब्दों के पहले 'में' या 'के अंदर' के अर्थ में होता है। जैसे-

In the world

In a newspaper

In a queue

In a city

In the sky

In a street

In a village

In the house

In a letter

In the room

In a town

In hospital

In the bus

In prison

In church

In the rain

इन वाक्यों को देखें:

We live in the world.

In the bag

He is in the room.

Rule (4) :- In का प्रयोग permanent action (स्थायी कार्य) को अभिव्यक्त करने के लिए किया जाता है। जैसे-

❖ Noun

किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, गुण, कार्य या अवस्था के नाम को Noun (संज्ञा) कहा जाता है।

A noun is a word for a person ,place or thing or idea.

'हर वो वस्तु जिसका नाम हो जिसे हम देख सकते हो, महसूस कर सकते हो ,छु सकते हो noun कहलाता है

जैसे :-

किसी person(व्यक्ति) का नाम :- boy ,rita etc.

Animals name:- cat ,cackroach etc.

Places name :- street ,banglore etc.

Objects name :- table , wire etc.

Substances name:- gold ,glass etc.

Qualities name:- Happines, sorrow etc.

Measures name :- inch ,pound etc.

Noun को सात प्रकार से बाँटा जा सकता है -

1. Proper Noun (व्यक्तिवाचक)
2. Common Noun (जातिवाचक)
3. Collective Noun (समूहवाचक)
4. Material Noun (द्रव्यवाचक)
5. Abstract Noun (भाववाचक)
6. Countable noun(संख्यावाचक)
7. Non-countable noun (असंख्यावाचक)

- Proper Noun, common noun ,collective noun and material noun इन्हें Concrete noun भी कहते हैं ये abstract noun के opposite (विपरीत) होते हैं।
- concrete nouns ऐसी वस्तुओं के नाम होते हैं जिनका physical existence होता है।

RULES TO FIND A NOUN

(Noun की पहचान) :-

- By putting who,whom,what with work done(किसने काम किया) we find out noun.

जैसे : sumit is playing football. (सुमित फुटबॉल खेल रहा है) अब आप खुद से सवाल करके noun पहचान सकते हैं इस वाक्य में **जैसे:-** who is playing? (कोन खेल रहा है) = सुमित (sumit)

what is playing?(क्या खेल रहा है ?)=football

यहाँ sumit and football दोनों noun हैं।

- जिन वाक्यों के अंतः में नीचे दिये गये word जुड़े होंगे वो noun होंगे **जैसे :-**

Ment = mangement , agreement

tion = station , vacation , foundation

th = growth

<https://www.infusionnotes.com/>

er = teacher

or = doctor

ty = honesty

ry = bravery

ce = advice

ledge = knowledge

dom = fredom ,wisdom

ics = physics

ship = friendship

sion = pension

(1) Proper noun

Proper noun से हमारा तात्पर्य किसी विशेष(specific) व्यक्ति, वस्तु तथा स्थान के नाम से होता है।

जैसे: Mohan, Jaipur, Radha etc.

(a) **Mohan** is my friend.

(b) I live in **Delhi**.

(c) we are planning to go to **Pizza Hut**.

(d) There are many important documents at **The Library of congress**.

उपर दिए गये Ex(a) में mohan एक boy का proper name दिया हुआ है Ex(b) में delhi एक proper city का name है Ex(c) pizza hut एक proper restaurant का name दिया है और Ex(d) में **The Library of congress** एक library का proper name है इसलिए mohan ,delhi ,pizza hut, **The Library of congress** यहाँ proper noun हैं।

(2) Common noun

जिस Noun (संज्ञा) से एक वर्ग अथवा जाति के व्यक्ति या वस्तु के नाम का बोध हो, उसे Common Noun(जातिवाचक संज्ञा) कहते हैं। **जैसे-** boy, girl, Village ,city etc.

(a) According to the **Girl**, the nearest town is very far.

(b) The **Girls** are going to the nearest village.

- जैसा कि हम ऊपर दिए गये examples में देख सकते हैं यहाँ हम किसी विशेष girl की बात नहीं कर रहे हैं अगर कोई विशेष girl की बात की गयी होती तो यहाँ उस girl का girl की जगह proper name दिया होता जैसे - sita, priya आदि, यहाँ girls जाति की बात हो रही है जो कोई भी girls हो सकती है इसलिए यहाँ 'girl' common noun है।

- नीच दी गयी table से आप common noun और proper noun को और अच्छे से समझ सकते हैं -

❖ Adjective

संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द को विशेषण कहते हैं। Adjective is a word that tells what kind of a person, place, animal or a thing it is. In other words adjective tells something about the noun

Ex-

1. She is a **good** girl.
2. Alwar is a **small** city.
3. He gave me **five** pencils.
4. This is **my** pen.
5. I have a **red** car.
6. His **red** car is missing.
7. I saw a boy **climbing** the wall.

ऊपर दिए गये सभी highlighted शब्द noun के बारे में कुछ न कुछ जानकारी दे रहे हैं। जैसे girl अच्छी (good) है, city छोटी (small) है, पेंसिल पांच (five) है, pen मेरा (my) है, car लाल (red) है, उसकी कार लाल है, लड़का जो दीवार पर चढ़ रहा है

सामान्यतः 'adjective' noun से पहले या article (A, An, The) और noun के बीच में आता है।

- Adjective की position के आधार पर adjective three types के होते हैं -

1. **Postpositive adjective**:- ये noun के तुरंत बाद आते हैं

Ex - The best seats **available**.

The worst manners **imaginable**.

2. **Attributive adjective**:- ये noun से पहले प्रयोग किये जाते हैं।

Ex - He was a **great** king.

3. **predicative adjective**:- ये verb के तुरंत बाद आते हैं। जैसे -

Ex - you are **honest**.

I am **ill**.

adjective की पहचान :- सामान्यतः adjective के अंतिम के कुछ अक्षरों से adjective की पहचान की जा सकती है नीचे कुछ ऐसे word दिए गये हैं। जिनकी मदद से आप adjective की पहचान कर सकते हैं। जैसे :-

- **ful** = beautiful , colourful
- **tive** = positive , Negative
- **ic** = genetic
- **ous** = continuous
- **able** = readable
- **ible** = permissible
- **al** = national

कुछ adjective verb की 3rd form में भी होते हैं। जैसे

:-

Abandoned rubber factory

Dilapidated factory

Developed country

Broken chair

Some other adjective:-

Issued by , implemented by, given by, released by, levelled by, motivated by

use in sentences:-

1.He was violating covid-19 rules **implemented** by the university.

2.According to health bulletin **released** by delhi government.

Kind of Adjectives

1. **Proper Adjective**:- proper noun से बनने वाले adjective ,proper adjective कहलाते हैं। जैसे :- Indian, African , American , European etc.

noun	adjective
india	indian
africa	african

2. **Adjective of Quality**:-ये किसी व्यक्ति ,वस्तु या स्थान की quality(बिषेषता) बताते हैं। जैसे :-

honest man

beautiful girl

big city

large building

black dog

white tiger

1. चेन्नई एक बड़ा शहर है।
Chennai is a **big** city.
2. प्रकाश एक ईमानदार लड़का है।
Prakash is an **honest** boy.
3. मोहन एक उपद्रवी लड़का है।
Mohan is a **mischievous** boy

3. **Adjective of Quantity(परिमाणवाचक विशेषण)**:- ये noun की quantity (परिमाण , मात्रा) को बताता है। जैसे :- Whole, Some, Enough , Sufficient, No Full, Entire etc.

गली में कुछ आदमी हैं।

There are **some** men in the street.

बर्तन में बहुत कम पानी था।

There was a **little** water in the pot.

सारा धन खर्च कर दिया गया। The **whole** sum was expended.

Chapter - 13

Reading Comprehension

कॉम्प्रिहेंशन (Comprehension) क्या है ?

कॉम्प्रिहेंशन का अर्थ होता है - समझने में सक्षम या योग्यता। कॉम्प्रिहेंशन का उद्देश्य छात्रों को PASSAGE समझाने में मदद करना है और VOCABULARY एवं PASSAGE को समझकर प्रश्न के सटीक उत्तर देने की सक्षमता को जाँच करना है।

PASSAGE के शब्दों के आधार पर हम कॉम्प्रिहेंशन को दो भागों में विभाजित कर सकते हैं

- SHORT PASSAGE
- LENGTHY PASSAGE

SHORT PASSAGE में लगभग 200 से 400 शब्दों होते हैं जबकि कि LENGTHY PASSAGE में शब्दों की संख्या 2000 तक होते हैं।

एग्जाम में कॉम्प्रिहेंशन से संबंधित DESCRIPTIVE एवं OBJECTIVE दोनों तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं।

कुछ एग्जाम में पूछे गये DESCRIPTIVE प्रश्नों का उत्तर इसमें से ही ध्यान से पढ़कर देना होता है और OBJECTIVE प्रश्नों में, प्रश्न में दिए गये चार - पांच उत्तरों में से सही को चुनना होता है एवं VOCABULARY से संबंधित प्रश्न जैसे : SYNONYM और ANTONYM भी आते हैं। कभी बार कॉम्प्रिहेंशन में प्रयुक्त IDIOMS, VERBAL PHRASES का भी अर्थ पूछा जाता है। कॉम्प्रिहेंशन का उद्देश्य छात्र की अंग्रेजी भाषा को ना केवल पढ़ने/समझने के साथ में IDIOMS, VERBAL PHRASES इत्यादि की जाच करता है।

पहले PASSAGE के प्रश्न को ध्यान एवं तेजी से पढ़े फिर PASSAGE को ऐसे ही पढ़े। जैसे ही कोई उत्तर दिखाई दे, उसे ध्यान से पढ़कर उत्तर देना चाहिए। इसका उपयोग कम समय में अधिक उत्तर देने के लिए करे। इस तरह अच्छे अंक के लिए छात्र को ANALYTICAL POWER की जरूरत होती है।

यदि छात्र के पास उपयुक्त समय है तो वो PASSAGE और प्रश्न को ध्यान से पढ़े फिर एक बार PASSAGE को पढ़ते हुए, जहाँ भी प्रश्न के उत्तर दिखाई दे वहाँ पर NUMBERING कर लेनी चाहिए।

PASSAGE को ध्यान से पढ़ने से आपको उसकी THEME, IDEA का ज्ञान हो जाएगा। अगर फिर भी समझ में ना आये तो पुनः उसे पढ़े फिर उत्तर दे। जहाँ तक संभव हो उत्तर को सटीक लिखने की कोशिश करे। अगर उत्तर देने के लिए कोई शब्द सीमा है तो उसका ध्यान जरूर रखे। प्रश्न का उत्तर कभी भी BECAUSE या THEREFOR से शुरू नहीं करना चाहिए। उत्तर का विशेष ध्यान रखे की वो

PASSAGE से ही संबंधित हो। उत्तर लिखते समय GRAMMATICALLY एवं WORD भी सही होना चाहिए।

कभी बार किसी WORD को EXPLAIN करने के लिए कहा जाता है इनके उत्तर लिखने के लिए आपका EXPLAIN भी अच्छी होनी चाहिए और उत्तर को जितना हो सके उसे साधारण रखने की कोशिश करे।

1. Read the following passage carefully.

- That large animals require luxuriant vegetation has been a general assumption which has passed from one work to another, but I do not hesitate to say that it is completely false and that it has vitiated the reasoning of geologists on some points of great interest in the ancient history of the world. The prejudice has probably been derived from India, and the Indian islands, where troops of elephants, noble forests, and impenetrable jungles are associated together in everyone's mind. If, however, we refer to any work of travels through the southern parts of Africa, we shall find allusions in almost every page either to the desert character of the country or to the numbers of large animals inhabiting it. The same thing is rendered evident by the many engravings which have been published in various parts of the interior.
- Dr Andrew Smith, who has lately succeeded in passing the Tropic of Capricorn, informs me that taking into consideration the whole of the southern part of Africa, there can be no doubt of its being a sterile country. On the southern coasts, there are some fine forests, but with these exceptions, the traveller may pass for days together through open plains, covered by poor and scanty vegetation. Now, if we look to the animals inhabiting these wide plains, we shall find their numbers extraordinarily great, and their bulk immense.
- It may be supposed that although the species are numerous, the individuals of each kind are few. By the kindness of Dr Smith, I am enabled to show that the case is very different. He informs me that in one day's march with the bullock-wagons, he saw, without wandering to any great distance on either side, between one-hundred and one-hundred and fifty rhinoceroses—the same day he saw several herds of giraffes, amounting together to nearly a hundred.

4. At the distance of a little more than one hour's march from their place of encampment on the previous night, his party actually killed eight hippopotamuses at one spot and saw many more. In this same river, there were likewise crocodiles. Of course, it was a case quite extraordinary to see so many great animals crowded together, but it evidently proves that they must exist in great numbers. Dr Smith describes that the country passed through that day as 'being thinly covered with grass, and bushes about four feet high, and still more thinly with mimosa trees'.
5. Besides these large animals, anyone the least acquainted with the natural history of the Cape has read of the herds of antelopes, which can be compared only with the flocks of migratory birds. The numbers indeed of the lion, panther, and hyena, and the multitude of birds of prey, plainly speak of the abundance of the smaller quadrupeds. One evening, seven lions were counted at the same time prowling round Dr Smith's encampment. As this, an able naturalist remarked to me, each day the carnage in Southern Africa must indeed be terrific! I confess that it is truly surprising how such a number of animals can find support in a country producing so little food.
6. The larger quadrupeds no doubt roam over wide tracts in search of it; and their food chiefly consists of underwood, which probably contains many nutrients in a small bulk. Dr. Smith also informs me that the vegetation has a rapid growth; no sooner is a part consumed, than its place is supplied by a fresh stock. There can be no doubt, however, that our ideas respecting the apparent amount of food necessary for the support of large quadrupeds are much exaggerated. The belief that where large quadrupeds exist, the vegetation must necessarily be luxuriant is more remarkable because the converse is far from true.
7. Mr. Burchell observed to me that when entering Brazil, nothing struck him more forcibly than the splendour of the South American vegetation contrasted with that of South Africa, together with the absence of all large quadrupeds. In his travels, he has suggested that the comparison of the respective weights (if there were sufficient data)

of an equal number of the largest herbivorous quadrupeds of each country would be extremely curious. If we take on the one side, the elephants, hippopotamus, giraffe, bos caffer, elan, five species of rhinoceros; and on the American side, two tapirs, the guanaco, three deer, the vicuna, peccari, capybara (after which we must choose from the monkeys to complete the number), and then place these two groups alongside each other; it is not easy to conceive ranks more disproportionate in size.

8. After the above facts, we are compelled to conclude, against the anterior probability that among the Mammalia there exists no close relation between the bulk of the species, and the quantity of the vegetation in the countries which they inhabit. Adapted from: Voyage of the Beagle, Charles Darwin (1890) [CBSE Sample Paper 2016]

- A. On the basis of your understanding of the passage, answer the following questions by choosing the most appropriate option.)

Question (i)

What is the primary concern of the author?

- (a) Discussing the relationship between the size of mammals and the nature of vegetation in their habitats
(b) Contrasting ecological conditions in India and Africa
(c) Proving that large animals do not require much food
(d) Describing the size of animals in various parts of the world

Answer:

(a) Discussing the relationship between the size of mammals and the nature of vegetation in their habitats

Question (ii)

According to the author, what has led to the 'prejudice'?

- (a) Errors in the reasoning of biologists
(b) False ideas about animals in Africa
(c) Incorrect assumptions on the part of geologists
(d) Doubt in the mind of the author

Answer:

(b) False ideas about animals in Africa